हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

शुक्रवार 13 फ़रवरी 2026 वर्ष 02 अंक 138 पृष्ठ 5 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

जीवन में समस्याओं का सामना इसलिए करना पड़ता है ताकि हम उन से लड़कर और भी मजबूती के साथ निखर कर आये

19वां ह्वेनसांग स्मृति वार्षिक दिवस गरिमामय वातावरण में आयोजित

आचार्य ह्वेनसांग ने सम्पूर्ण एशिया में बौद्ध धर्म और दर्शन को गहराई से प्रभावित किया– शू वेई

ह्वेनसांग स्मृति दिवस भारतदृचीन की प्राचीन साझा सभ्यता का उत्सव है– कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन की रिपोर्ट।

केशववाणी । राजगीर (नालंदा)। भारत और चीन के प्राचीन सांस्कृतिक एवं बौद्धिक संबंधों को स्मरण और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नव नालंदा महा. विहार द्वारा गुरुबार को ह्वेनसांग स्मारक परिसर, नालंदा में 19वां ह्वेनसांग स्मृति वार्षिक दिवस गरिमामय वातावरण में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्राचीन नालंदा महाविहार के समीप स्थित परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों के आगमन के पश्चात महान आचार्य ह्वेनसांग की प्रतिमा पर पुष्पांजलि, धूप–दीप अर्पण एवं मंगलपाठ के साथ हुआ, जिसका नेतृत्व पालि विभाग के आचार्यगण एवं भिक्षुओं ने किया। समारोह में कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने मुख्य अतिथि श्री शू वेई ,कोलकाता स्थित चीन के महावाणिज्यदूत (कौंसल जनरल) को खतक एवं बुद्ध प्रतिमा भेंट कर नव नालंदा महाविहार की ओर से कृतज्ञता स्वरूप सम्मानित किया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो. विश्वजीत कुमार, अधिष्ठाता, पालि एवं अन्य भाषाएँ संकाय द्वारा प्रस्तुत किया गया।उन्होंने कहा कि ह्वेनसांग स्मृति दिवस एशिया की साझा बौद्धिक परंपरा, नालंदा की वैश्विक भूमिका तथा अंतर–सांस्कृतिक संवाद का प्रतीक है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शू वेई ने कहा कि महान आचार्य ह्वेनसांग ने न केवल चीन बल्कि सम्पूर्ण एशिया में बौद्ध धर्म और दर्शन को गहराई से प्रभावित किया।

उन्होंने कहा कि ह्वेनसांग स्मारक परिसर भारत और चीन जो विश्व की दो महान सभ्यताएं हैं के बीच आपसी सम्मान और पारस्परिक सीख का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि भारत और चीन दो समृद्ध सभ्यताएँ हैं जिन्होंने इतिहास में एक–दूसरे से निरंतर ज्ञान अर्जित किया है। मुख्य अतिथि ने उल्लेख किया कि वर्ष 2035 में भारत–चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ होगी और इस अवसर तक जन–जन के बीच सहयोग को और सशक्त करने की आकांक्षा है। उन्होंने भारत और चीन के बीच व्यापार, व्यवसाय तथा शैक्षणिक आदान–प्रदान पर भी प्रकाश डाला।मुख्य अतिथि ने भारत द्वारा चीन के लिए पर्यटक वीज़ा की बहाली, दोनों देशों के बीच अधिक उड़ानों की संभ. ावनाओं, व्यापार, व्यवसाय, छात्रों और अकादमिक जगत को होने वाले लाभों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जन–जन का संपर्क ही दोनों देशों के रिश्तों को स्थायी मजबूती प्रदान करेगा और आज का यह आयोजन ऐसे ही सार्थक संवादों का प्रतिबिंब है। यह स्मारक न केवल इतिहास को संरक्षित करता है, बल्कि भारत–चीन के भविष्य के संबंधों पर भी दृष्टि केंद्रित करता है।समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ह्वेनसांग स्मृति दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत और चीन की प्राचीन साझा सभ्यता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत–चीन संबंध आधुनिक कू. टनीति से कहीं आगे जाकर हजारों वर्षों पुरानी बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित हैं।उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म ने इन संबंधों को गहराई प्रदान की, जिसके कारण ह्वेनसांग, ई–त्सिंग जैसे अनेक चीनी विद्वान भारत आए तथा भारत के अनेक आचार्य चीन गए। उन्हा. ंने पालि परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि 'सासनवंस' जैसे ग्रंथों में चीन को ज्ञान की भूमि कहा गया है।कुलपति ने कहा कि यदि ह्वेनसांग और ई–त्सिंग भारत से बौद्ध ग्रंथों को चीन न ले गए होते, तो आज बौद्ध संस्कृति को उसके वर्तमान स्वरूप में समझना संभव नहीं होता। उन्होंने स्मरण कराया कि 12वीं शताब्दी के आक्रमणों के दौरान भारत में बौद्ध परंपरा को गंभीर क्षति पहुँची, किंतु इन महान यात्रियों के कारण बौद्ध साहित्य चीन में संरक्षित रहा और विभिन्न भाषाओं में अनूदित हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि इन यात्राओं से यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय शिक्षा संस्थान अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः खुले थे, जहाँ जाति, पंथ या देश के आधार पर कोई भेदभाव नहीं था। कला के क्षेत्र में भी उन्होंने अजंता गुफा चित्रकला और चीनी चित्रकला परंपराओं के पारस्परिक प्रभाव का उल्लेख किया।कुलपति ने भारत–चीन संबंधों को सुदृढ़ करने में डॉ. द्वारकानाथ कोटनिस पर बनी फिल्म का भी उल्लेख किया और संयुक्त रूप से अकादमिक एवं शोध कार्यक्रमों के आयोजन का आह्वान किया, ताकि विश्व को शांति, सद्भाव और सह–अस्तित्व का संदेश दिया जा सके। उन्होंने कहा कि पारिवारिक मूल्य, माता–पिता के प्रति सम्मान और नैतिक आदर्श दोनों देशों को गहराई से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अन्नी सिंह, अंग्रेज़ी विभाग द्वारा किया गया। समारोह में नव नालंदा महाविहार के आचार्यगण, शोधार्थी, बौद्ध भिक्षु, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

क्लीनिक कर्मियों पर किन्नरों से मारपीट का आरोप, थाने में पहुंचकर किया हंगामा, कार्रवाई की मांग

प्रेम कुमार की रिपोर्ट, केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। लहेरी थाना क्षेत्र के रांची रोड स्थित एक क्लीनिक में किन्नरों के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद आक्रोशित किन्नर समुदाय के दर्जनों लोग थाने पहुंच गए और जमकर हंगामा करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

बताया जाता है कि होली की बधाई देने के लिए किन्नरों का एक समूह शहर में निकला था। इसी दौरान वे रांची रोड स्थित एक क्लीनिक में पहुंचे, जहां किसी बात को लेकर क्लीनिक के कर्मियों से विवाद हो गया। आरोप है कि कर्मियों ने उनके साथ मारपीट की।

घटना से नाराज किन्नरों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और लहेरी थाना पहुंचकर कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी की।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने स्थिति को संभाला और क्लीनिक कर्मियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद ही किन्नर शांत हुए।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मलमास मेला 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित, सुरक्षा व सुविधाओं पर विशेष जोर

केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। मलमास मेला 2026 के सफल आयोजन को लेकर आईसीसी राजगीर में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेला की पूर्व तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।विदित हो कि राजगीर में मलमास मेला का आयोजन 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान ब्रह्म कुंड में स्नान के लिए दूर–दूर से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।बैठक में श्रद्धालुओं की संभा. वित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सुविधाएं, शरण स्थली, शौचालय, चेंजिंग रूम, साफ–सफाई, नियंत्रण कक्ष, हेल्प डेस्क, आवासन, खानपान, हाई मास्ट लाइटिंग, ट्रैफिक चेक पोस्ट, बैरिकेडिंग, अग्निशमन व्यवस्था, मा. ेबाइल शौचालय तथा निर्धारित शुल्क पर बस व ई–रिक्शा से परिवहन की व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई।जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि मेला अवधि के दौरान आमजन और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस बल, महिला पुलिस व स्वयंसेवकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भीड़ पर सतत नजर रखी जाएगी। असामाजिक तत्वों पर भी कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया।

यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए जाएंगे और पार्किंग स्थलों को चिन्हित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, स्ट्रेचर, आवश्यक दवाएं, मेडिकल कैंप और चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।मेला में खोए हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए सूचना केंद्र स्थापित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए कैंटीन, 'दीदी की रसोई' और सस्ती रोटी काउंटर की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही एआई काउंटर, मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से सूचना व सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु रेलवे स्टेशन, मेला थाना, धुनीवर, बस स्टैंड, झुनकिया बाबा, ब्रह्म कुंड घाट, स्टेट गेस्ट हाउस, सैनिक स्कूल, महाराजा होटल, गढ़ महादेव, वैतरणी तथा पीएचईडी कैंपस सहित वि. भन्न स्थानों पर वाटरप्रूफ यात्री शेड (टेंट सिटी) का निर्माण किया जाएगा। ब्रह्म कुंड में प्राकृतिक स्रोतों से आने वाली जलधारा को निरंतर बनाए रखने के लिए आसपास के क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरतने का निर्देश दिया गया। वहीं वैतरणी घाट की सुरक्षा, साफ–सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। शाही स्नान के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए प्रवेश व निकास द्वारों पर विशेष व्यवस्था की जाएगी।बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता (राजस्व), वरीय उप समाहर्ता (बैंकिंग), जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी (गोपनीय शाखा), संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित भवन, लघु सिंचाई, विद्युत, पीएचईडी, नगर परिषद और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का दूसरा दिन, अंचल कार्यालयों का कामकाज ठप

सुनील कुमार की रिपोर्ट। केशववाणी । हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र में राजस्व कर्मचारियों का बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सत्रह सूत्री मांगो को लेकर राजव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही, जिससे अंचल कार्यालयों का नियमित कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। कार्यालयों में मूल राजस्व संबंधी काम बंद रहने के कारण विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों से आए खेतिहर किसानों और जमीन मालिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जमीन से जुड़े दाखिल–खारिज, नापी, रसीद कटवाने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए पहुंचे कई लोग बिना काम कराए लौटते नजर आए।हड़ताली कर्मचारी वसीम ने बताया कि विभिन्न मांगों को लेकर सभी राजस्व कर्मचारी सामूहिक रूप से आंदोलन पर हैं। सरकार के निर्देश के अनुसार अधिकारियों को लैपटॉप सहित प्रभार सौंपने को कहा गया था, जिसके तहत गुरुवार को कर्मचारियों ने अंचल नाजिर को लैपटॉप और अन्य अभलेख सौंप दिए। इसके कारण कार्यालयों में तकनीकी और प्रशासनिक कार्य ठप पड़ गए हैं।इस स्थिति से सबसे ज्यादा परेशानी उन आवेदकों को हुई जिन्होंने आवास, जाति या अन्य प्रमाणपत्रों के लिए आवेदन दिया था। कर्मचारियों द्वारा जांच नहीं होने से उनके आवेदन लंबित हो गए हैं।राजस्व पदाधिक. ारी ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार पंचायत सचिवों को कुछ कार्यों का प्रभार देने की प्रक्रिया शुरू की गई है और धीरे–धीरे व्यवस्था सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पंचायत सचिवों के पास सीमित अधिकार हैं और वे केवल जाति, आवास व ओबीसी प्रमाणपत्र जैसे कार्य ही कर सकते हैं, जबकि जमीन से जुड़े अधिकांश मामले फिलहाल बाधित ही रहेंगे।

होली से पहले बड़ी कार्रवाई: राजगीर में दो मकानों से 428 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन। केशववाणी राजगीर (नालंदा)। होली पर्व के मद्देनज़र मद्य निषेध विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार संध्या नालंदा की टीम ने राजगीर थाना क्षेत्र के कलाली चौक स्थित आर्य समाज मंदिर, निचली बाजार इलाके में छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की है।

मद्य निषेध विभाग की टीम ने एक ही मोहल्ले में स्थित दो अलग–अलग मक. ानों के सभी कमरों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कुल पांच कमरों से अवैध शराब बरामद हुई। छापेमारी में विभिन्न ब्रांड की कुल 428 बोतल/नग (करीब 250.500 लीटर) विदेशी शराब जब्त की गई।

बरामद शराब में रॉयल स्टैग (750 एमएल) की 93 बोतल, ब्लेंडर्स प्राइड (750 एमएल) की 30 बोतल, इम्पीरियल ब्लू (750 एमएल) की 36 बोतल, रॉयल स्टैग (375 एमएल) की 36 बोतल तथा 500 एमएल की 243 कैन बीयर शामिल है।

टीम ने बताया कि शराब को गोदाम में कबाड़ के बीच छिपाकर रखा गया था। यह गोदाम गिरफ्तार अभियुक्त के पिता का बताया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि होली पर्व के दौरान बिक्री के लिए शराब का संग्रहण किया गया था।

गिरफ्तार अभियुक्त से मिली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। दोनों मकानों के संबंधित पांचों कमरों को सीलबंद कर अधिहरण (कंफिस्केशन) की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मद्य निषेध विभाग ने बताया कि होली पर्व को देखते हुए जिले में अवैध शराब के खिलाफ विशेष सतर्कता बरती जा रही है और ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

चार लेबर कोड के खिलाफ सड़क पर उतरे छात्र श्रमिक संगठन, नगरनौसा में किया प्रदर्शन

कुमार अभिषेक की रिपोर्ट। केशववाणी नगरनौसा (नालंदा)। केंद्रीय ट्रेड यूनियन एवं सेक्टोरल फेडरेशन संगठनों के राष्ट्रीय मंच के आह्वान पर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के नेतृत्व में नगरनौसा प्रखंड में चार लेबर कोड के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र, श्रमिक और स्थानीय लोग सड़क पर उतरकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएफआई की राज्य अध्यक्ष कांति कुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया चार लेबर कोड मेहनतकश मजदूरों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने और श्रमिकों से 70 से 90 घंटे तक काम लेने की साजिश है। उन्होंने कहा कि विभिन्न बहानों से प्रतिदिन 12 घंटे काम कराने की व्यवस्था पहले ही लागू की जा रही है तथा कंपनियां अपनी मनमानी शर्तें और नियम मजदूरों पर थोप रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई, बदहाली और आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। बाजार भाव के अनुसार मजदूरी में गिरावट आई है। साथ ही, गरीब ग्रामीणों के रोजगार से जुड़े मनरेगा को कमजोर कर 'विकसित भारत रोजगार एवं जीविका गारंटी मिशन ग्रामीण कानून 2025' जैसे नए प्रावधान लागू किए जा रहे हैं, जिससे श्रमिकों के अधिकार प्रभा. वित हो रहे हैं।

वक्ताओं ने केंद्र सरकार के कथित जनविरोधी कानूनों का विरोध करते हुए कहा कि नगरनौसा सहित पूरे बिहार में डिग्री कॉलेज की मांग को लेकर एसएफआई का संघर्ष सफल रहा है। डिग्री कॉलेज भवन निर्माण और शिक्षण संस्थानों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस मौके पर सीपीआईएम नगरनौसा अंचल सचिव सुरेश प्रसाद, नरेश प्रसाद, विश्वानंद सिंह, एसएफआई जिला अध्यक्ष जयप्रकाश कुमार, धर्मदेव कुमार, सावित्री कुमारी, गायत्री कुमारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीआरपीएफ जवान मोहम्मद समी उल्लाह का इलाज के दौरान निधन, शोक की लहर

केशववाणी । वैशाली जिले के महनार नगर के नया टोला इस्लामपुर निवासी सीआरपीएफ जवान मोहम्मद समी उल्लाह का पटना स्थित पारस अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।बताया जाता है कि जवान समिउल्लाह जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में तैनात थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।समी उल्लाह के निधन की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में मातम का माहौल है।

स्थानीय लोगों ने उनकी सेवाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे एक बहादुर और कर्तव्यनिष्ठ जवान थे, जिन्होंने देश सेवा में अपनी जिम्मेदारियां पूरी ईमानदारी से निभाईं।मुहल्ले के लोगों और गणमान्य व्यक्तियों ने सरकार से मांग की है कि दिवंगत के परिजनों को उचित मुआवजा और हर संभव सरकारी सहायता प्रदान की जाए। साथ ही उनकी अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ किए जाने की भी अपेक्षा जताई जा रही है। दिवंगत अपने पीछे परिजनों को शोकाकुल छोड़ गए हैं। क्षेत्रवासियों ने उनकी आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है। उनका नमाज़ ए जनाज़ा 13 फ़रवरी को जुमा की नमाज़ के बाद इनके पुश्तैनी गांव समस्तीपुर जिले के मो. हनपुर गढ़ी गांव में अदा किया जाएगा। यह जानकारी उनके पुत्र मोहम्मद भोला ने दी है।

Estd. 2009
Aff. No. - 20140018
BAL BHARTI PUBLIC SCHOOL
(A unit of Bal Bharti Educational & welfare society Regd.)
Play group to 10th CBSE Circulam
An English medium Day-cum Residential
Call Now -9473489614

नालंदा की विरासत

गंगा–यमुना कुंड की धार बंद, धरोहर पर मंडरा रहा खतरा, अनंत ऋषि कुंड सालों से है सूखी

गंगा–यमुना कुंड की सूखी धार

वेल्वाडोव तालाब के उड़ाही से बढ़ सकता है कुंड की धार, 40 साल पहले भी हुई थी वेल्वाडोव तालाब की उड़ाही

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट। केशववाणी

राजगीर (नालंदा)। पर्यटक नगरी की पहचान विश्व में गर्म कुंड के लिए होती है। यहां के कुंडों की धार धीरे–धीरे खत्म होने को है। गंगा–यमुना से लेकर अनंत ऋषि कुंड की धार बंद हो चुकी है। कई कुंडों की धार न के बराबर ही चल रही है। कई का तो अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। मार्कण्डेय कुंड तक की पानी की धार सूखने को है। अनंत कुंड पहले से ही बंद है। इस तरह से जहां पहले मोटी धार बहती थी। लोग इस शुद्ध पानी में स्नान कर स्वास्थ्य लाभ लेते थे अब वह बंद होने को है। हमारी धरोहर खतरे में है। इस कारण लोगों के साथ पंडा कमेटी के होश उड़ने लगे हैं। जिस गंगा–यमुना कुंड जिसमें पहले मोटी धार बहती थी, लोग स्नान करते थे। अब यह पूरी तरह से सूख गयी है। वहीं अनंत ऋषि कुंड सालों से बंद है। लोगों का मानना है कि कुंड के सूखने का कारण जंगलों की कटाई और नये–नये विकास के आयाम से भी असर पड़ा है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन की मार पर्यटक नगरी राजगृह की पहचान गर्म कुंड पर पड़ने लगा है। वहीं पाण्डु पोखर के बनने के बाद इस पर ज्यादा प्रभाव पड़ा था। पाण्डु पोखर में

9 जुलाई 2019 को वेल्वाडोव तालाब का निरीक्षण करती केन्द्रीय टीम

जब एक बोरिंग से गर्म पानी निकाला था तो पंडा कमेटी ने इसकी शिकयत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की थी। उसके बाद उसे बंद कराया गया था। हालाकि जब तक देर हो चुकी थी। साल भर तक गर्म पानी के निकाले जाने से गंगा–यमुना कुंड की धार सूख चुकी थी। पानी का कम होना शहर के लोगों के लिए खतरा बनता जा रहा है। यह पर्यटक नगरी है। यहां के लोगों की आजीविका चाहे वह होटल हो या अन्य दुकानें सबों की पर्यटकों पर ही निर्भर है। पानी न हो तो पर्यटक ही राजगीर नहीं आयेंगे। लोगों ने कहा कि सरकार को इस पर कोई ठोस पहल करनी चाहिए। लोगों ने कहा कि सभी कुंडों की पानी बंद हो गयी तो अमूल्य धरोहर जिससे कि राजगीर की विश्व स्तर पर पहचान है का नामोनिशान मिट जायेगा।

2019 में भी सूखी थी गंगा–यमुना की धार

इससे पहले 2019 में भी गंगा–यमुना की धार पूरी तरह से बंद हो चुकी थी। इसके बाद केन्द्रीय कमेटी का एक दल राजगीर आया था। उन्होंने पहाड़ पर स्थित वेल्वाडोव तालाब का निरीक्षण किया था। उसके बाद महज कोरम पूरा करने के लिए वन विभाग ने उड़ाही करवायी थी। इससे कोई फायदा नहीं हुआ था।

वेल्वाडोव तालाब की हो उड़ाही से बढ़ सकती है धार

वैभारगिरि पर स्थित वेल्वाडोव तालाब का कुंड की धार से सीधा असर हो सकता है। जानकार व पुराने लोगों की मानें तो इसकी उड़ाही करवा दी जाय तो कुंड की धार बढ़ सकती है। 40 साल पहले इस तालाब की उड़ाही पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री स्व. सुरेन्द्र प्रसाद तरुण ने करवायी थी। उसका उस समय सीधा असर हुआ था। उस समय भी मलमास मेला लगने वाला था। पानी कम हो गयी थी। तत्कालीन पटना कमिशनर ने इस पर काफी चिंता जतायी थी, जिस पर पूर्व मंत्री तरुण जी ने आस–पास के गां. वों का दौरा कर लोगों से कुंड संबंधी जानकारी ली थी। बुजुर्गों से मालूम चला था कि इससे पहले भी जब कुंड की पानी कम हुई थी तो वेल्वाडोव तालाब की उड़ाही करवायी गयी थी तो पानी में बढ़ोत्तरी हुई थी। इसके बाद कमिशनर ने इस पर योजना बनाकर काम किया था और उसकी उड़ाही करवायी गयी थी। उड़ाही के बाद कुंड की धार तेज हो गयी थी। मौजूदा समय में वेल्वाडोव तालाब में गाद भरा पड़ा है। तालाब पूरी तरह से सूख गयी है। यह तालाब पहाड़ पर बाबा सिद्धनाथ मंदिर से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर है।

यहां भी हैं गर्म कुंड

1. बकरेश्वर जल कुंड, पश्चिम बंगाल।
2. मणिकरण, हिमाचल प्रदेश।
3. अत्रि जल कुंड, ओडिशा।
4. यूमेसमडॉग, सिक्किम।
5. पनामिक, लद्दाख।
6. तुलसी श्याम कुंड, गुजरात।
7. झारखंड के 60 कुंड।

सूख चुके हैं ये कुंड

अहिल्या कुंड, सीता कुंड, राम–लक्ष्मण कुंड, गौरी कुंड, गंगा–यमुना कुंड

शैक्षणिक भ्रमण पर नालंदा आये छात्रों को दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, स्कूली बच्चों को दिया गया ५०० अमरूद का पौधा

अनुमंडल संवाददाता राजगीर, राजीव लोचन की रिपोट केशववाणी ।

नूरसराय (नालंदा)। शैक्षणिक भ्रमण पर नालंदा आए विभिन्न जिलों के स्कूली बच्चों को गुरुवार को मिशन हरियाली नूरसराय की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विश्व शांति स्तूप, राजगीर के समीप निजी भूमि पर पौधरोपण के लिए 500 अमरूद के पौधे निःशुल्क वितरित किए गए।

एक ओर जहां बच्चों ने विश्व शांति स्तूप, नालंदा खंडहर और पावापुरी जल मंदिर जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया, वहीं पौधे पाकर उनके चेहरों पर खास उत्साह और मुस्कान देखने को मिली।

इस दौरान बेगूसराय जिले के उत्क्रमित माध्यमिक प्लस टू विद्यालय गुदार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छर्रापट्टी, दरभंगा जिले के एन.बी. इंग्लिश एकेडमी लहेरियासराय, लखीसराय के उत्क्रमित मध्य विद्यालय शाहनगर तथा जहानाबाद जिले के मध्य विद्यालय मुरगांव के विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए गए।

मिशन हरियाली के सदस्य पी. सिंह ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग आज वैश्विक समस्या बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण के कारण जीवन में कई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं और खेती—बाड़ी भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पेड़—पौधों की कमी के कारण असमय बारिश, बढ़ते तापमान और विभिन्न बीमारियों जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। दुनिया की बड़ी आबादी प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर है, जिससे श्वास रोग सहित अन्य गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो पेड़ लगाना हम सभी की जिम्मेदारी है। धरती पर हरियाली लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण से जुड़ना होगा।

वहीं स्कूली बच्चों ने वितरित पौधों को रोपित करने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर गुड्डू कुमार, प्रेम कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर सफाई कर्मियों का प्रदर्शन, नगर पंचायत कार्यालय के पास किया कार्य बहिष्कार

राकेश पासवान की रिपोट केशववाणी हरनौत (नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत के सफाई कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर पंचायत कार्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। कार्य बहिष्कार करते हुए सैकड़ों सफाई कर्मियों ने एकजुट होकर बैनर तले जोरदार नारेबाजी की और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया।

प्रदर्शन के दौरान सफाई कर्मियों ने हरनौत बाजार के रांची रोड, गोनावा रोड, हरनौत रेलवे स्टेशन, डाक बंगला रोड, चंडी मोड़ और बीच बाजार सहित विभिन्न इलाकों में घूम—घूमकर जुलूस निकाला और अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान कुछ देर के लिए सर्विस लेन पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई, जिसे बाद में हटा दिया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहीं आशा देवी ने बताया कि नगर पंचायत में 100 से अधिक सफाई कर्मी वर्षों से नियमित रूप से सभी वार्डों में सफाई कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को स्थायी नियुक्ति नहीं दी जाती, जिससे हमेशा नौकरी छूटने का डर बना रहता है और उनके परिवार का भविष्य असुरक्षित है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरी में कटौती भी की जाती है। प्रतिदिन 428 रुपये का भुगतान किया जाता है, जिसमें से पीएफ की कटौती होती है, लेकिन पीएफ की राशि का लाभ कर्मियों को नहीं मिल पाता। बढ़ती महंगाई में इतनी कम मजदूरी से घर—परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। अस्थायी रोजगार के कारण वे अपने बच्चों की पढ़ाई भी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं।सफाई कर्मियों ने सरकार से न्यूनतम मजदूरी, स्थायी नियुक्ति और श्रमिक हित में ठोस निर्णय लेने की मांग की है। एक दिन के कार्य बहिष्कार के कारण नगर पंचायत क्षेत्र में सफाई व्यवस्था प्रभावित रही और कई स्थानों पर कूड़े—कचरे के ढेर लग गए।

प्रदर्शन में रामकली देवी, बेला देवी, अमर मलिक, बबलू पासवान, इंद्रदेव मांझी, सागर, मनोज, आनंदी, कैलाश, चंद्रशेखर, सुनीता, किशोर, संजय सहित सैकड़ों सफाई कर्मी मौजूद थे।

वहीं, इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन ने बताया कि देशव्यापी संगठन के आह्वान पर सफाई कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि केवल हरनौत ही नहीं, बल्कि पूरे नालंदा जिले में सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया है।

देशव्यापी आम हड़ताल में शामिल हुए इंजन रिक्शा-ठेला चालक, कामकाज ठप कर किया प्रदर्शननिर्बाध परिचालन की कानूनी व्यवस्था की मांग

प्रेम सिंघानिया की रिपोट केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में इंजन रिक्शा—ठेला चालक संघ ने भी अपना कामकाज पूरी तरह ठप रखते हुए श्रमिकों के पक्ष में एकजुटता दिखाई। चालकों ने मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से श्रमिक हितों की रक्षा की मांग की।इस अवसर पर संघ के जिला सचिव किशोर साव ने कहा कि चारों श्रम कोड मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करने वाले हैं, जिन्हें तत्काल समाप्त कर पुराने श्रम कानूनों को पुनः बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंजन रिक्शा—ठेला चालकों के लिए निर्बाध परिचालन की कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें रोजी—रोटी कमाने में किसी तरह की परेशानी न हो।उन्होंने मनरेगा को प्रभावी ढंग से पुनब.'हाल करने तथा 'वीबी ग्रामजी कानून' को रद्द करने की मांग भी उठाई। किशोर साव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां मजदूर विरोधी और कॉरपोरेट परस्त हैं, जिसके कारण देश में गरीब और गरीब होते जा रहे हैं, जबकि अमीरों की संपत्ति लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस असमानता के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठाना जरूरी है।

कार्यक्रम में अखिलेश कुमार, शंकर चौहान, धुरी साव, अरुण कुमार, इंद्रदेव चौधरी, माले नेता सुभाष शर्मा, संजय पासवान, छोटन यादव, चंदन कुमार सहित सैकड़ों इंजन रिक्शा—ठेला चालक मौजूद रहे।

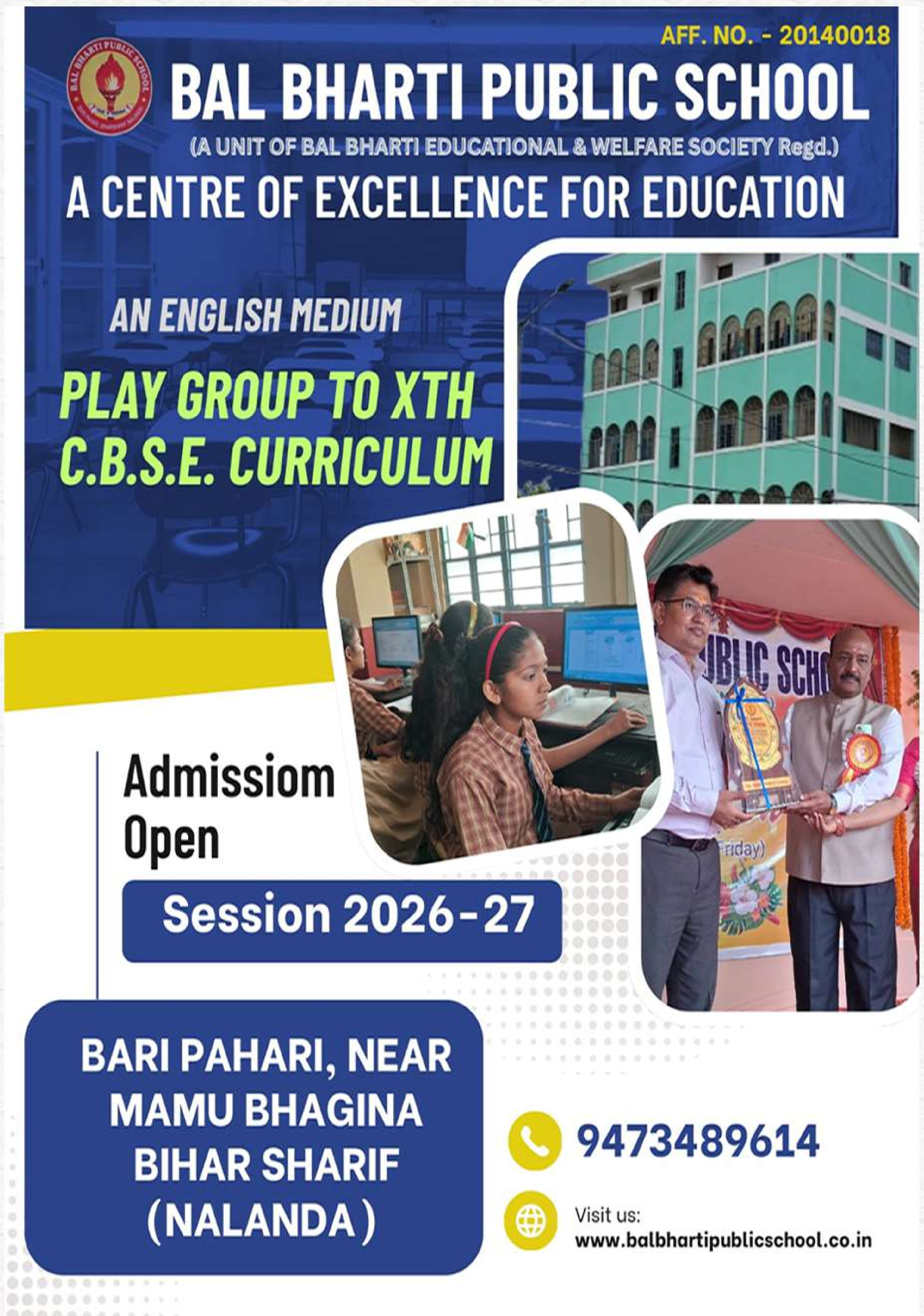

पप्पू यादव की गिरफ्तारी के विरोध में युवाशक्ति का प्रदर्शन, सीएम-डिप्टी सीएम का पुतला दहन

केशववाणी | थरथरी (नालंदा)। नीट छात्रा के समर्थन में आवाज उठाने वाले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की पटना पुलिस द्वारा शुक्रवार देर रात गिरफ्तारी के विरा.'ध में युवाशक्ति के कार्यकर्ताओं ने थरथरी बाजार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

युवाशक्ति के जिला अध्यक्ष मनीष यादव के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बाजार क्षेत्र में एकत्र होकर नारेबाजी की और गिरफ्तारी को जनविरोधी कार्रवाई बताते हुए आक्रोश जताया।

मनीष यादव ने कहा कि जब—जब पप्पू यादव बिहार में गरीबों और जरूरतमंदों की आवाज बनते हैं, तब—तब उन्हें साजिश के तहत फंसाकर उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरोना काल के दौरान पप्पू यादव ने एंबुलेंस, भोजन, ऑक्सीजन और अस्पतालों में मरीजों की मदद कर सरकार की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी थी, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था।

उन्होंने कहा कि इसी तरह नीट छात्रा को न्याय दिलाने के लिए पप्पू यादव ने सदन से लेकर सड़क तक संघर्ष किया, लेकिन उनकी आवाज दबाने के उद्देश्य से यह कार.'वाई की गई है।

प्रदर्शन में मनीष यादव, मुकेश पासवान, राजनीतीश कुमार, कौशल कुमार, चंदन कुमार, श्रवण यादव, नीतीश कुमार, राजनीतिक कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंटेक किड्स प्ले स्कूल का ११वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया, बच्चों ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहारशरीफ के बंधु बाजार स्थित इंटेक किड्स प्ले स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव गुरुबार को बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभ. ारंभ संस्कार विकास संस्थान के सचिव सुबोध कुमार, निदेशक निकेश कुमार, प्रिंसिपल राधिका कुमारी, अरविंद कुमार तथा अमेरिका से आई मुख्य अतिथि श्रीमती शांति देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें अभिभावकों और अतिथियों ने सराहा।संस्थान के सचिव सुबोध कुमार ने कहा कि छोटे–छोटे बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी बेहतर शिक्षा और संस्कार के लिए संस्था हर संभव प्रयास कर रही है, ताकि वे आगे चलकर अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे ढंग से निभा सकें।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को पढ़ाई के साथ सकारात्मक वातावरण दें और उन्हें मोबाइल फोन से दूर रखने का प्रयास करें।निदेशक निकेश कुमार ने बताया कि स्कूल ने सफलतापूर्वक 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस उपलक्ष्य में नए छात्रों के लिए विशेष ऑफर के साथ नामांकन निशुल्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई का अधिकतम खर्च संस्था द्वारा वहन किया जा रहा है, लेकिन अभिभावकों का सहयोग भी आवश्यक है।

वहीं, प्रिंसिपल राधिका कुमारी ने बताया कि अब विद्यालय में प्री–नर्सरी से लेकर छठी कक्षा तक की पढ़ाई कराई जाएगी। साथ ही सिमुलतला, नवोदय एवं सैनिक स्कूल जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठाकर अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकें।कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अखंड कीर्तन को लेकर निकली भव्य कलश शोभायात्रा, २०१ महिलाओं ने लिया हिस्सा

राकेश पासवान की रिपोर्ट, केशववाणी । चंडी (नालंदा)। चंडी प्रखंड क्षेत्र के मिल्की पर गांव में तीन दिवसीय भक्ति अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के तहत गांव स्थित देवी मंदिर एवं महादेव स्थान में 48 घंटे के अखंड कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

अखंड कीर्तन के एक दिन पूर्व गुरुवार को 201 महिला श्रद्धालुओं एवं कन्याओं द्वारा भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश में जल भरने के लिए सभी श्रद्धालु बख्तियारपुर के गयासपुर गंगा घाट पहुंचे, जहां पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा गया। इसके बाद सुरक्षित वाहनों से श्रद्धालु नरसंडा बाजार स्थित फोर लेन के पास पहुंचे और वहां से गाजे–बाजे के साथ सिर पर कलश लेकर नाचते–झूमते हुए मंदिर परिसर तक पहुंचे, जहां विधिवत कलश स्थापना की गई।अखंड कीर्तन को लेकर मंदिर परिसर को रंग–बिरंगी रोशनी और सजावट से आकर्षक रूप दिया गया है। पूरे गांव में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है।कार्यक्रम को सफल बनाने में अजीत कुमार, धर्मवीर सिंह, लालू चंद्रवंशी, जितेंद्र चंद्रवंशी, विपिन चंद्रवंशी, दशरथ, पंकज, विकास, विजय, कारू सहित सभी ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

लीगल एड सेल द्वारा विधिक जागरूकता अभियान ,लोगों को किया जागरूक

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन की रिपोर्ट केशववाणी । राजगीर (नालंदा)। सिलाव प्रखंड अंतर्गत बराकर, घोस्तमा, करियाना एवं महुरी पंचायतों में गुरुबार को चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना के लीगल एड सेल द्वारा विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा न्याय तक उनकी पहुँच को सुदृढ़ बनाना था।इस जागरूकता कार्यक्रम में लीगल एड सेल के सात सदस्यों की टीम ने भाग लिया, जिसका नेतृत्व लीगल एड सेल के जागरूकता के हेड मनीष रंजन ने किया। टीम में छात्र जयनंदन कुमार, अनन्या अश्वी, अंशुल पल्लव, आदित्य आनंद, समीर कौशल एवं आंचल प्रिया आनंद शामिल थे। सभी सदस्यों ने पंचायतों में जाकर आम लोगों से संवाद स्थापित किया और उन्हें सरल भाषा में कानून से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।कार्यक्रम के दौरान लोगों को आपराधिक एवं सिविल मामलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से एफआईआर क्या होती है, एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया क्या है, पुलिस में शिकायत कैसे दर्ज कराई जाती है तथा एक नागरिक के रूप में किन बातों का ध्यान रखना चाहिएकृइन सभी विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसके साथ ही लोगों को उनके मौलिक अधिकारों एवं विधिक अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया गया।टीम द्वारा शिक्षा के अधिकार पर विशेष बल दिया गया और लोगों को बताया गया कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करना उसका संवैधानिक अधिकार है तथा राज्य और समाज की यह जिम्मेदारी है कि उसे शिक्षा से वंचित न रहने दिया जाए। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि वे किसी भी प्रकार के अन्याय, शोषण या कानूनी समस्या की स्थिति में किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।इस कार्यक्रम में पंचायत के लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएँ साझा कीं और टीम के सदस्यों से कानूनी सलाह प्राप्त की।

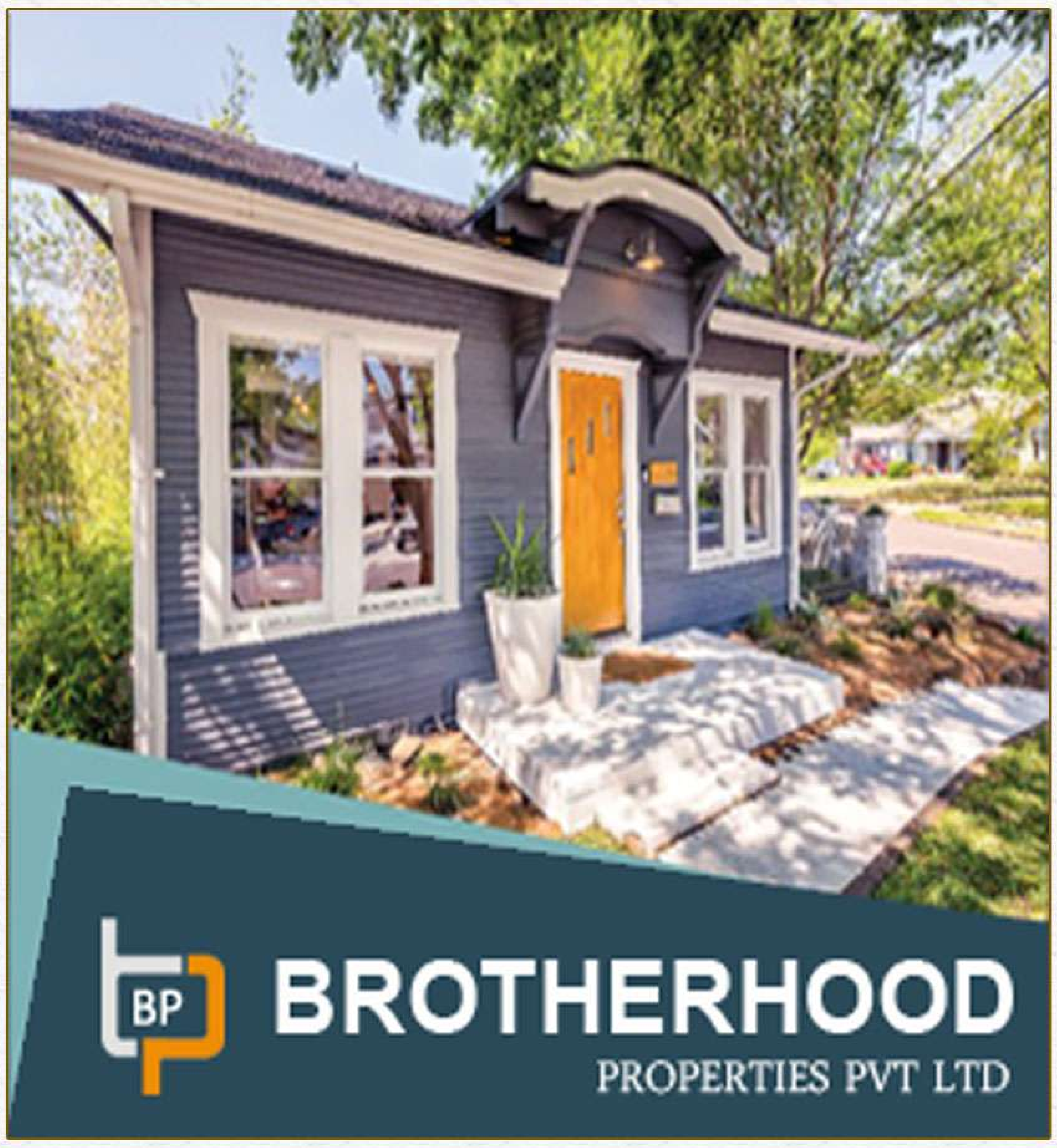

देशव्यापी आम हड़ताल को वामदलों का समर्थन, जुलूस निकाल कर श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

अमर वर्मा की रिपोर्ट,केशववाणी बिहारशरीफ (नालंदा)। देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में भाकपा माले, ऐक्टू, किसान महासभा, खेग्रामस, ना. जवान सभा, ऐपवा समेत विभिन्न वाम. पंथी एवं जनसंगठनों ने संयुक्त रूप से जुलूस निकालकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।जुलूस भाकपा माले जिला कार्यालय से निकलकर पोस्ट ऑफिस मोड़, भराव पर, एलआईसी, अस्पताल मोड़ होते हुए कचहरी नगर निगम गेट पर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

जुलूस का नेतृत्व ऐक्टू के राज्य उपाध्यक्ष मकसूदन शर्मा, भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य एवं जिला सचिव सुरेंद्र राम, खेग्रामस जिला सचिव रामध. ारी दास, इनौश जिला अध्यक्ष वीरेश कुमार, ऐपवा नेत्री रेणु देवी व सुगिया देवी, माले नेता अधिवक्ता अनिल पटेल, सुनील कुमार, शिवशंकर प्रसाद, किसान नेता चंद्रशेखर प्रसाद, सीपीएम नेता कमलदेव प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, पाल बिहारी लाल, डॉ. शैलेश यादव, ब्रजकिशोर प्रसाद, राजनंदन राउत, सुनील पासवान, रामप्रीत केवट, नगर निगम कर्मचारी नेता महेश दास व मनोज दास समेत अन्य नेताओं ने किया।

प्रदर्शनकारियों ने मनरेगा को पुनर्बहाल करने, 'वीबी ग्रामजी कानून' रद्द करने, बसे हुए जमीन का पर्चा देने, गरीबों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई बंद करने, भारत–अमेरिका ट्रेड डील से कृषि उत्पादों को बाहर रखने, न्यूनतम मजदूरी 700 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने, बिजली व बीज विधेयक 2025 वापस लेने, विद्यालय रसोइयों को कम से कम 10 हजार रुपये मासिक मानदेय और 12 माह भुगतान की गारंटी, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, वेडिंग जोन निर्माण तथा इंजन रिक्शा–ठेला चालकों के निर्बाध परिचालन की कानूनी व्यवस्था करने की मांग उठाई।

कार्यक्रम में किसान नेता चंद्रशेखर प्रसाद, नौजवान नेता राजेश कुमार, इंजन रिक्शा–ठेला चालक संघ के जिला सचिव किशोर साव, महिला नेत्री रेणु देवी, सुगिया देवी, रसोइया नेत्री किरण देवी, पूजा देवी, अस्थावां से श्रवण कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

गिरियक में आम हड़ताल को श्रमिकों का व्यापक समर्थन, ९ सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी

केशववाणी गिरियक (नालंदा)। देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में गिरियक प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गिरियक नगर पंचायत में श्रमिक संगठनों द्वारा व्यापक जन समर्थन के साथ प्रदर्शन किया गया। प्रताप कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में श्रमिक बैनर–पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे और अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार की नीतियां मजदूरों के हितों के खिलाफ हैं, जिसके विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। श्रमिकों ने 9 सूत्री मांगों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। मांगों में मुख्य रूप से चारों श्रम कोड को वापस लेने, सार्वजनिक उद्योगों के निजीकरण पर रोक लगाने, विद्युत संशोधन विधेयक 2025 और बिजली बिल 2025 को वापस लेने, न्यूनतम मजदूरी 26 हजार रुपये मासिक करने तथा 15 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन देने की मांग शामिल है. ।इसके अलावा ठेका एवं आउटसोर्सिंग प्रथा बंद करने, मनरेगा मजदूरों को 200 दिन का काम और 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित करने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने तथा भूमिहीनों को जमाबंदी कायम कर जमीन का पर्चा देने की मांग भी उठाई गई। श्रमिकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र में श्रमिकों की एकजुटता देखने को मिली।

भगवान मुनिसुब्रत स्वामी की केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाई गई
महोत्सव में शामिल हुए सैंकड़ों जैन श्रद्धालु, राजगीर के कण–कण में है प्रभु का वास

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन की रिपोर्ट, केशववाणी राजगीर (नालंदा)।
जैन श्वेताम्बर कोठी नौलखा मंदिर में 20वें तीर्थंकर भगवान श्री मुनिसुब्रत स्वामी जी का केवलज्ञान कल्याणक तीन दिवसीय महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को अनुकंपा दान में सैंकड़ों जैन श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्री मु. निसुव्रत स्वामी जी की बहुत ही सुन्दर ऑगी भी की गयी। इस मौके पर मंदिर में शांत सुधारस पूजा का आयोजन किया गया। मुनि दादा कल्याणक मंडल मुंबई के कोमल भाई मेहता ने कहा कि राजगीर के कण–कण में प्रभु का वास है। प्रभु ने यहां पर विचरण किया था। यह काफी पावन धरा है। यहां के यात्रा का काफी फल मिलता है। लोगों को जीवन में कम से कम एक बार इस पावन धरा की यात्रा करनी चाहिए। इस कल्याणक भूमि में आकर जीवन धन्य हो जाता है। यहां पर प्रभु की आराधना करने का सौभाग्य मिलता है। संस्था के मंत्री रंजन कुमार जैन ने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा के यहां पर चरण पड़े हैं। यह पावन धरती है। भगवान के चार कल्याणक च्यवन, जन्म, दीक्षा व केवलज्ञान इसी भूमि पर हुए हैं। ट्रस्टी रणवीर कुमार जैन ने कहा कि कल्याणक पूजा से समस्त समाज में एक अच्छा संदेश जाता है। यह हर साल किया जाता है। इससे एक नई उर्जा का संचार होता है। संस्था के ट्रस्टी प्रतीक जैन ने कहा कि मन को काफी शांति मिलती है। सहायक प्रबंधक ज्ञानेन्द्र पांडेय ने कहा कि कल्याणक पूजा का आयोजन हर साल किया जाता है। भगवान की आराधना कर काफी सकून मिलता है।

संस्था के कैशियर संजीव कुमार जैन ने कहा कि नौलखा मंदिर का निर्माण राजस्थान के कुशल कारीगरों के द्वारा किया गया है। 1954 में यह बनना शुरू हुआ था। इसमें प्रभु जी की प्रतिष्ठा 1961 में हुई थी। भगवान मुनि सुब्रत स्वामीजी भगवान श्रीराम के समकालीन थे। यहां पर हर साल लाखों की संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। मंदिर की ऐसी विशेषता है कि इसके निर्माण में लोहे का प्रयोग नहीं हुआ है। इस मौके पर ज्ञानेन्द्र पांडेय, संजीव कुमार जैन, समीर मेहता, जिमी मेहता, प्रभुलाल संधवी, परेश संधवी, दीपेश भाई, राजू भाई, नीलेश भाई, पारस शाह, ललीत शाह, कोमल मेहता, निपुन मेहता, रमेश चंद भुरा, सुशील कुमार जैन, सुखराज जैन, डौली जैन, मानसी जैन, गणवंती बेन, मधु बेन, गीता बेन, प्रिया बेन, प्रेमलता बेन सहित अन्य मौजूद थे।